जगद्गुरु श्रीगौरकिशोर दास बाबाजी महाराज

(शिक्षा समन्वित जीवनी)

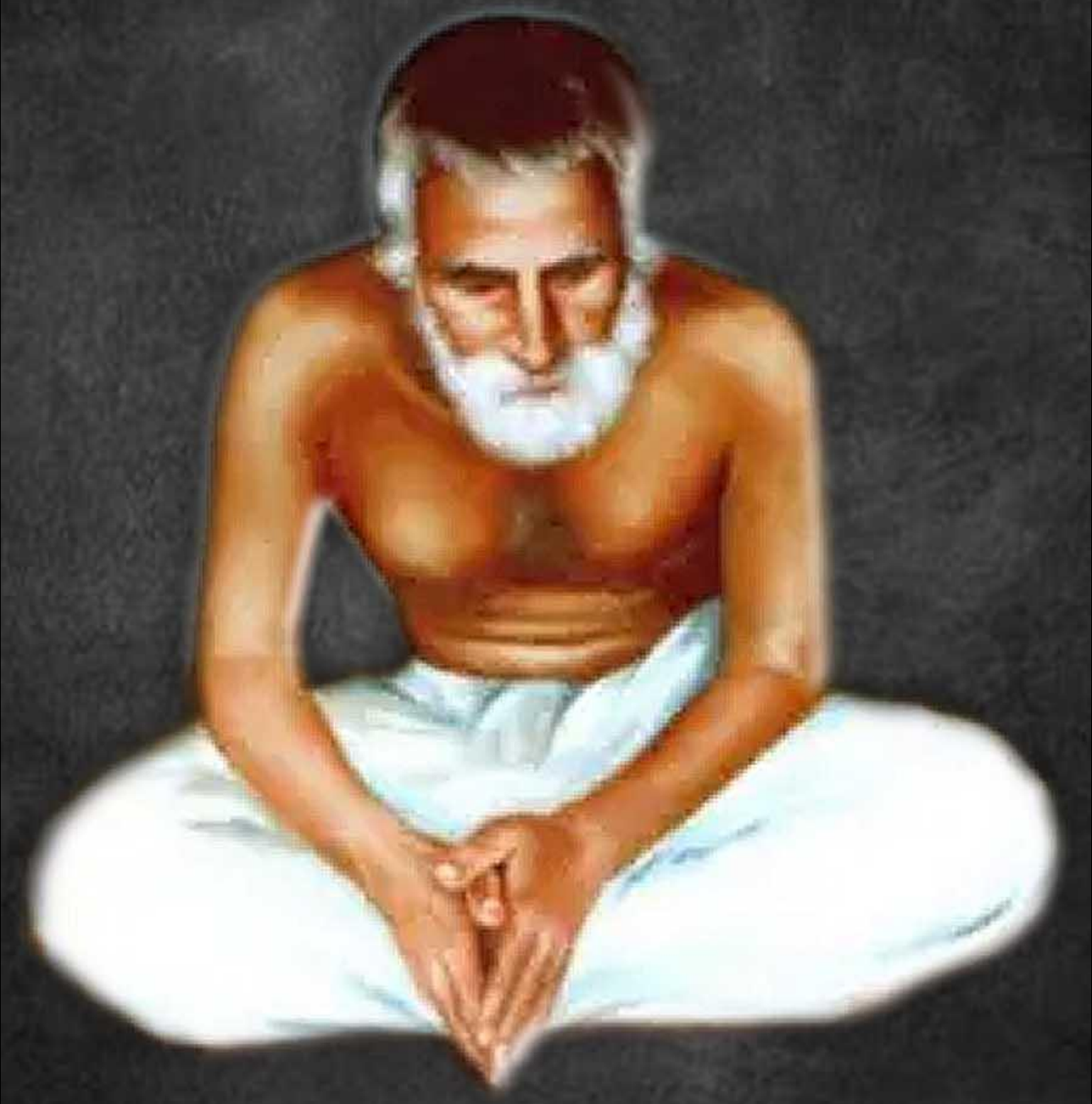

श्रील प्रभुपाद भक्ति सिद्धान्त सरस्वती ठाकुर जी की दिव्य लेखनी से संकलित

SGD

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर के सम्बन्ध में में श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज

श्रीलगुरुदेव

कोलकाता भक्ति भवन की परमपूजनीय माता - ठाकुरानी श्री श्रीभगवती देवी (श्रील भक्तिविनोद ठाकुर जी की सहधर्मिणी) और परमपूजनीय श्रीमती कादम्बिनी देवी (श्रील भक्तिविनोद ठाकुर की द्वीतिय कन्या) कुलिया - नवद्वीप में जाकर श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज के दर्शन करती थीं। एक दिन श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराज ने उनसे कहा — 'आप

लोग घर के ठाकुर को छोड़कर कुलिया में क्या करने आये हैं ? यहाँ क्या बाज़ार में सामान खरीदने आये हैं, या फिर बाज़ार के ठाकुर को देखने आये हैं? आपके घर पर महाप्रभु के जो अंतरंग पार्षद आविर्भूत हुए हैं, यदि उनको और भी कुछ दिन यहाँ रखना चाहते हैं, तो आप घर जाकर एकान्त मन से हरिभजन करें, नहीं तो उन्हें ज्यादा दिन रख नहीं पाएँगे।

श्रीलगुरुदेव